OM 19 a_Page 1 and 2 14/01/2015 09:46 Page 5

रूहानी शहज़ादा-ब्रह्मा बाबा

-ब्र.कु. निर्वैर,महासचिव,ब्रह्माकुमारीज़

आत्मीयता मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ आभूषण है, सर्वश्रेष्ठ व्यक्तित्व है और वर्तमान काल में अनेकानेक आत्माओं को राहत प्राप्त कराता है। पिताश्री प्रजापिता ब्रह्मा बाबा से हर आत्मा को साकार मिलन में सदा उस आत्मीयता का अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त होता, जो एक बार मिलन के पश्चात् सदा के लिए उस चुम्बकीय व्यक्तित्व की ओर झुक जाती अथवा उनके संग के आत्मीय रंग में रंग कर अपने आप को धन्य-धन्य महसूस करती। जुलाई 1959 में जब पहली बार बाबा से मधुबन में मिला, मुझे उनकी असीम आत्मीयता और अपनेपन का आभास हुआ और मन में सदा ही उनके अति समीप व अंग-संग रहने की प्रबल इच्छा रही, क्योंकि उनकी रूहानियत के शक्तिशाली व्यक्तित्व ने मुझे पहली मुलाकात में शान्त मुद्रा में अपने सत्य-स्वरूप का तथा अतीन्द्रिय सुख का गहन अनुभव करा दिया। मैं बचपन से इसी खोज में था और उस पहली मुलाकात ने मुझे अपने रूहानी परमपिता परमात्मा शिव का दिव्य-दर्शन भी कराया तथा उनके विश्व-परिवर्तन अथवा युग परिवर्तन के सर्वोत्तम कार्य में तत्पर होने के लिए तुरंत समर्पण होने की प्रबल प्रेरणा दी।

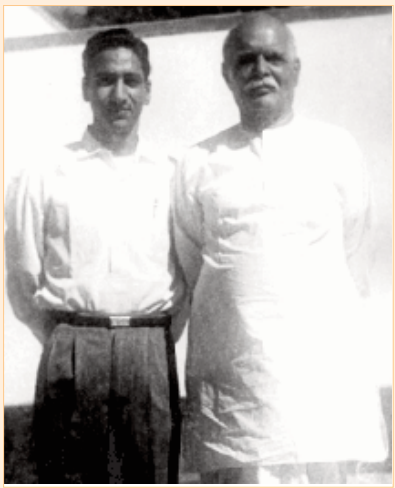

ब्रह्मा बाबा की व्यक्तिगत मिसाल ने हज़ारों आत्माओं को, विश्व को पुन: सतोप्रधान बनाने हेतु अपने व्यक्तिगत जीवन को सतोप्रधान पावन बनाने तथा अनेकानेक अन्य आत्माओं को उस परमपिता परमात्मा का शुभ-संदेश देने में समर्पण करा दिया। हर एक के मन में यही भावना उत्पन्न होती रही कि हम विश्व की सर्व मनुष्यात्माओं को बताएं कि, उस बेहद पिता का इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर यही फरमान है-''मीठे बच्चे, पवित्र बनो।'' इस अंतिम जन्म में अगर परमपिता परमात्मा की श्रीमत पर पवित्र बनते हैं तो 21 जन्मों के लिए विश्व की बादशाही मिल जाती है। बस अब शिव बाबा को याद कर पवित्र बनो तो पवित्र दुनिया का मालिक बन जायेंगे। मनुष्य से देवता बन जायेंगे। बाबा के शब्दों में वह शक्ति है कि जिसे भी यह पैगाम मिला, वह अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर हो गया। बाबा का नि:स्वार्थ आत्मिक प्यार हर एक को अपने सच्चे कल्याणकारी मात-पिता व बाप-दादा के अपनेपन की महसूसता सहज ही करा देता और अपने उच्च लक्ष्य को प्राप्त करने के पुरुषार्थ में तुरंत जुट जाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न करा देता। ऐसी ही एक घटना मुझे याद आ रही है-सन् 1963 अन्त की बात है जब एक दम्पत्ति कलकत्ता से बाबा को मिलने बम्बई आए थे। बाबा ने श्री लक्ष्मी-श्री नारायण के नये-नये प्रिन्ट हुए चित्र की ओर इशारा करते हुए जब उन्हें ऐसा सतयुगी विश्व महाराजन् बनने का लक्ष्य देते सम्पूर्ण जीवन, व्यतीत करने का इशारा दिया तो पति-पत्नी दोनों ने बाबा की पवित्र बनने की श्रीमत को सहज सहर्ष स्वीकार किया। ''वाह बाबा, वाह! कमाल है आपके कल्याणकारी भावना के इन महावाक्यों में!'' विवेकानंद जी और गांधी जी की पुस्तकों में व धर्म ग्रंथों में पवित्र चरित्रवान जीवन की महिमा की अनेक गाथाएं पढ़ी-सुनी थीं। ऋषियों की, मुनियों की बातें पढ़ी थीं, परंतु गृहस्थ जीवन में रहते पवित्रता के महत्व को पहचान कर अपनाना, यह तो ईश्वरीय महावाक्यों का कमाल है, उस महान विभूति, उस रूहानी शहज़ादे ''ब्रह्मा बाबा'' के निजी पवित्रता की शक्ति का ही कमाल है। जो आज हज़ारों बहन-भाई अपने दाम्पत्य जीवन में रहते मन-वाणी-कर्म से पावन बन पावन सतयुगी सृष्टि के पुन: निर्माण में सहयोगी बने हैं और सिद्ध होता है इसी से प्रजापिता ब्रह्मा के कर्त्तव्य का वर्तमान समय इस पुरुषोत्तम संगम युग पर पुनरावृत्त होगा।

कठोर तप व रूहानियत की समुद्री गहराइयों में जाए बिना ऐसी प्राप्ति, ऐसी स्थिति नहीं बन पाती। व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके रहन-सहन, बोल-चाल, संग, पत्र-व्यवहार, प्रवचनों व लेखनी से सहज समझ में आता है। परमपिता परमात्मा शिव के योग्य पवित्र माध्यम बनने के लिए ब्रह्मा बाबा ने अपने भक्ति-काल में बहुत कठिन प्रयत्न व पुरुषार्थ किया था, जो उनके निजी डायरियों व अनुभवों से पता चलता है तथा अपने ज्ञान-काल में भी उन्हों ने बहुत-गहराई से एकान्त में व सामूहिक रूप से तपस्या कर ''रूहानी याद की यात्रा'' की अति सूक्ष्म गहराई में जाकर

भोपाल। 'जीवन में सफलता' विषयक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए आत्मा की श्रेष्ठता की ब्र.कु. गीता,माउण्ट आबू, गोविंद गोयल,सीनियर वाइस प्रेसिडेंट,फेडरेशन ''बाप-समान चरम सीमा ऑफ एम.पी. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़, ब्र.कु. रीना, ब्र.कु. वासुदेव।

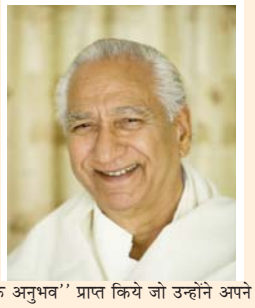

के अनुभव'' प्राप्त किये जो उन्होंने अपने प्रवचनों में एक सर्व अलौकिक बच्चों के मार्ग दर्शन हेतु व्यक्त किये हैं। उनकी रूहानियत की चरम सीमा का आभास तब होता जब वह हर एक व्यक्ति को नज़र से निहाल करते वे ''बच्चे-बच्चे'' कह संबोधित करते तो सहज ही स्व-अनुभूति व परमात्म-अनुभूति हो जाती और ब्रह्मा बाबा का व्यक्तित्व रूहानी अथॉरिटी का अनुभव करा देता। इस संबंध में ही एक घटना याद आ रही है।

सन् 1966 की बात है जब ब्रह्मा बाबा का साकार रूप में अंतिम बार मधुबन से बाहर बम्बई जाना हुआ। उस समय मेरे एक पत्रकार मित्र रामकृष्ण आडवाणी बाबा से मिलने आये और बाबा के सम्मुख बैठते ही कहने लगे, दादा मुझे सेल्फ रियलाइज़ेशन कराओ। बाबा मुस्कुराते पूछने लगे, ''बच्चे, सेल्फ रियलाइज़ेशन कौन करना चाहता है?'' आडवाणी जी बोले मैं। बाबा ने पूछा मैं बोलने वाला कौन? और फिर स्वयं ही उत्तर दिया कि मुख से बोलने वाला, कानों से सुनने वाला, आँखों से देखने वाला ''मैं आत्मा हूँ, रूह हूँ।'' अब आप इस निश्चय में बैठो कि मैं आत्मा हूँ। रूह हूँ। बस इतना समझा कर बाबा बिल्कुल शांत मुद्रा में बहुत मीठी रूहानी दृष्टि देते रहे और आडवाणी बाबा की तरफ देखते-देखते स्वयं रूहानी स्थिति में स्थित बहुत सुख का अनुभव करने लगे। थोड़े समय के बाद जब बाबा ने पूछा ''बच्चे आत्मानुभूति हुई।'' तो आडवाणी बोले, ''हाँ जी बाबा।'' स्वत: ही मुख से बाबा-बाबा शब्द उच्चारण होने लगा। और तब से आडवाणी स्वयं के रूहानी पुरुषार्थ के साथ-साथ अनेक आत्माओं को अपने अनुभव सुनाने व लेखनी के द्वारा रूहानियत के मार्ग पर चलने की प्रेरणा के निमित्त बन गए। आडवाणी जी हमेशा सुनाते कि बाबा के सम्मुख बैठे उन्हें ऐसा सुखद अनुभव हुआ कि भल बैठे ज़मीन पर हैं, लेकिन वह एक महान रूहानी शहज़ादे के बहुत समीप व सम्मुख बैठे हैं।

क्या भाग्यवान हैं वह आत्माएं, जिन्हें साकार अथवा अव्यक्त रूप से बाप-दादा के सम्मुख व समीपता का अनुभव प्राप्त हुआ और अपने जीवन को ब्रह्मा बाप समान रूहानी शहज़ादे या शहज़ादियां बनाने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है और साथ-साथ विश्व-कल्याणकारी -पन की सेवा का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। वर्तमान समय बाप-दादा अपने सूक्ष्म आकारी रूप से विश्व के कोने-कोने में अनेक भाई-बहनों को अपने फरिश्ते स्वरूप द्वारा रूहानी राह दिखाते रहते हैं। ऐसे अनुभव अनेक भाई-बहन लिखते हैं।

इन्दौर-तलेन(म.प्र.)। वृक्षारोपण करते हुए नगराध्यक्ष अशोक पंडित, नगर पालिका अध्यक्ष चन्दर सिंह यादव, हिन्दु उत्सव समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण यादव, ब्र.कु. मधु तथा अन्य।

नोएडा-सेक्टर 33। आध्यात्मिक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए वीर भद्रम विस्लावथ,आई.आर.एस.,असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स। मंचासीन हैं श्रीमती पूजा विस्लावथ, ब्र.कु. मंजू,सेवाकेन्द्र संचालिका तथा पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर।

इंदौर छावनी। '7 अरब सत्कर्मों की महायोजना' की लॉन्चिंग करते हुए ब्र.कु. रामप्रकाश,न्यूयॉर्क, अनाज मंडी अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, डॉ. हीरा, पत्रकार आशीष गुप्ता तथा ब्र.कु. सुमित्रा।

जयसिंगपुर-महा.। टी.वी. स्टार अदिति सारंगधर,लक्ष्य फेम मालिक को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. राणी।

मंदसौर-म.प्र.। 'सात अरब सत्कर्मों की महायोजना' का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. रामप्रकाश, नगरपालिका अध्यक्ष कुसुम गुप्ता, वरिष्ठ अभिभावक धीरेन्द्र त्रिवेदी, ब्र.कु. समिता व ब्र.कु. हेमलता।

रानियाँ। समाज सेवी संस्था के साथ स्वच्छ भारत के अंतर्गत 'जागरुकता अभियान' का शुभारंभ करते हुए ब.कु. कमलेश, ब्र.कु. नीतू तथा अन्य।